दृढ़ इच्छाशक्ति के धनी है युवा

राष्ट्रव्यापी अभियान 'उज्ज्वल भारत' का उद्घाटन

पोरबंदर। 'प्लेटिनम जुबली' कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन करते हुए दादी रतनमोहिनी, जिलाधिकारी शाहा जी, ब्र.कु.नलिनी तथा अन्य।

वाडगांव सेनी, पूणे। 'सर्व धर्म सम्मेलन' को सम्बोधित करने के पश्चात् ग्रुप फोटो में हैं थॉमस डब्रे, फिरोज पुनावाला, सुरजीत कौर, प्रशांत ऋषी एवं ब्र.कु.प्रेमा।

बढ़पुर, फरूखाबाद। 'प्लेटिनम जुबली महोत्सव' का दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन करते हुए ब्र.कु.ऊषा, ब्र.कु.सरोज, ब्र.कु.सुमन, ब्र.कु.पूनम।

बालुगाँव। ओड़ीआ सिनेमा के हास्य अभिनेता जयीराम सामल को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु.सरोजनी।

बैजनाथ। 'प्लेटिनम जुबली' समारोह के अवसर पर एस.आर.शर्मा को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु.प्रेम साथ में हैं ब्र.कु.सुलक्षणा।

तासगांव। 'तनावमुक्त जीवन' कार्यक्रम में भाग लेने के पश्चात् ग्रुप फोटो में हैं पुलिस अधीक्षक संजय सालुखे, भीमराव वाघमारे, ब्र.कु.श्वेता तथा अन्य।

माउण्ट आबू। राष्ट्रव्यापी अभियान ''उज्ज्वल भारत'' का उद्घाटन करते हुए उपखण्ड अधिकारी कुमार पाल गौतम, नगरपालिका अध्यक्षा लीला देवी परमार, नगर मंडल महामंत्री सुनील आचार्य, डॉ.निर्मला, ब्र.कु.चंद्रिका, ब्र.कु.शशि, डॉ.प्रताप मिड्ढा, ब्र.कु.सैय्यद, ब्र.कु.आत्मप्रकाश तथा अन्य।

माउण्ट आबू। युवा वही है जो समाज व दुनिया को प्रगति पथ पर ले जाने में सक्षम होता है। युवा अगर मन में दृढ़ इच्छा शक्ति के साथ किसी कार्य को पूरा करने की ठान ले तो लक्ष्य को प्राप्त करने में कोई मुश्किल नहीं होती है।

उक्त उद्गार उपखंड अधिकारी कुमार पाल गौतम ने पाण्डव भवन स्थित ओम शांति भवन में युवा प्रभाग द्वारा युवा जागृति के लिए राष्ट्रव्यापी अभियान ''उज्जवल भारत'' का उद्घाटन करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि ऊर्जावान संकल्पों के धनी युवा के पीछे सफलता परछाई की तरह आती है। मातृभूमि के प्रति ममता, राष्ट्र के प्रति श्रद्धा, विकराल समस्याओं को पार करने का अदम्य साहस लिए युवा एकमत हो जाएं तो समाज का कायाकल्प होने में देर नहीं लगेगी।

ज्ञान सरोवर व आस्ट्रेलिया जोन की निदेशिका डॉ.निर्मला ने कहा कि युवा अपने आंतरिक मूल्यों को पहचानकर स्वयं को शांति का अवतार बनाकर देश उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। राष्ट्र विकास की यात्रा के मुख्य कर्णधार युवा यदि आध्यात्मिक शक्ति से जुड़ जाएं तो उनके अंदर विश्व शांति, एकता व सद्भावना के बीज अंकुरित होने से भारत पुन: स्वर्णिम बन जायेगा।

नगरपालिका अध्यक्षा लीला देवी परमार ने कहा कि भारत की पुरातन गौरवमयी संस्कृति के अनुरूप युवाओं में जागृति लाने के लिए संस्था की ओर से लम्बे समय से प्रयास किया जा रहा है। इस संस्था द्वारा युवाओं की प्रतिभाओं को तराशकर समाज को नई दिशा देने का जो महान कार्य किया जा रहा है वह नि:संदेह ही पूरे विश्व के लिए आदर्श बनेगा।

युवा प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका ब्र.कु.चंद्रिका ने कहा कि युवा अपनी सकारात्मक भावनाओं को हर मनुष्य के अंत:करण में उतारकर समाज को शांति का संदेश दे सकता है। युवा स्वयं अपने आप में एक लीडर है व अद्भुत प्रतिभाओं से सम्पन्न है। हमें सिर्फ उनके अंदर छिपी हुई प्रतिभा को निखाकर आध्यात्मिक मूल्यों से सम्पन्न बनाना होगा। तभी युवा सच्चे अर्थों में देश का

कर्णधार बन सकेगा। इसके लिए हमें राजयोग का निरंतर अभ्यास करने की आवश्यकत है।

भाजपा नगर मंडल के अध्यक्ष सौरव गांगड़िया ने कहा कि यहां की आध्यात्मिक शक्तियों के सम्पर्क में आने से समाज को देने की भावना को बल मिलता है और साथ ही मन में सकारात्मक ऊर्जा का निर्माण भी होता है।

खेल प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका ब्र.कु.शशि ने कहा कि प्रजापिता ब्रह्मा बाबा ने 1936 में युवाओं के साथ इस संगठन की स्थापना की थी जो आज समूचे विश्व में एक वटवृक्ष की तरह फैलकर विश्व को शांति का संदेश देने का भागीरथ कार्य कर रहा है। ग्लोबल अस्पताल के निदेशक डॉ.प्रताप मिड्ढा ने कहा कि युवा अपने आंतरिक मूल्यों को पहचान कर स्वयं को शांति की क्रांति का सूत्रधार बनाकर देश उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकता है।

डेनमार्क से आए मनोवैज्ञानिक ब्र.कु.सैय्यद सलमान ने धर्म, कर्म व अर्थ को परिभाषित करते हुए युवाओं को आध्यात्मिक जीवनशैली से जीवन में सकारात्मक परिवर्तन के अपने अनुभव से अवगत कराया।

समारोह में युवा प्रभाग के मुख्यालय संयोजक ब्र.कु.आत्मप्रकाश ने अपनी शुभकामना देते हुए इस अभियान की सफलता की कामना की। समाज सेवा प्रभाग के संयोजक ब्र.कु.अवतार ने युवा जागृति अभियान की विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

इस अवसर पर भाजपा नगर मंडल महामंत्री सुनील आचार्य, टेकचंद भंभाणी, पार्षद श्रीमती रेणु काबरा, भंवर सिंह, नारायण सिंह भाटी, मांगीलाल काबरा, भरत सिंह राठोड, समेत बड़ी संख्या में शहर के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

कार्यक्रम के अंत में सभागार में मौजूद लोगों ने मोमबत्ती जलाकर राष्ट्र निर्माण के लिए स्वयं में निहित युवाशक्ति का उपयोग, सद्भावनापूर्ण समाज की स्थापना, सादगी व मूल्य संपन्न जीवन से पूरे विश्व को प्रकाशित करने की दृढ़ प्रतिज्ञा भी की।

कार्यक्रम के दौरान आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में युवा प्रभाग की सदस्या ब्र.कु.श्वेता द्वारा भारत माता की पुकार पर रचित स्क्रीप्ट 'मेक मी हेवन' की प्रस्तुति से पूरा सभागार भारत की पुरातन संस्कृति की यादों में खो गया।